लोक जागरण और लोकोपकार करना मीडिया का प्रमुख कार्य : प्रो. बल्देव शर्मा

ब्रह्माकुमार ओमप्रकाश भाईजी के 8वें पुण्य स्मृति दिवस पर मीडिया परिसंवाद

रायपुर-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ के शान्ति सरोवर रिट्रीट सेंटर में संस्थान के मीडिया प्रभाग के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्र.कु. ओमप्रकाश भाईजी के 8वें पुण्य स्मृति दिवस पर 'सामाजिक परिवर्तन के लिए जागरुक मीडिया' विषय पर आयोजित मीडिया परिसंवाद को सम्बोधित करते हुए कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बल्देव शर्मा ने कहा कि पत्रकार समाज को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। लोक जागरण और लोकोपकार करना मीडिया का प्रमुख कार्य है। उन्होंने कहा कि सजगता, निर्भयता, सत्यान्वेषण और मानवीय संवेदना, यह चार चीज़ें नहीं हो तो मीडिया मूल्यनिष्ठ न रहकर पूरी तरह से मूल्यहीन व व्यावसायिक हो जाएगा।

अनसोशल मीडिया से हो रहे अनेक फ्रॉड : सतीश श्रीवास्तव

नई दुनिया के समपादक सतीश श्रीवास्तव ने कहा कि मीडिया विचारों का श्रोत है। आज़ादी के आंदोलन में उसने जागरुकता फैलाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। किंतु आज सोशल मीडिया अनसोशल बन चुकी है। इससे अनेक फ्रॉड हो रहे हैं।

आज स्वनियमन की आवश्यकता है : प्रो. मानसिंह परमार

कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. मानसिंह परमार ने कहा कि संविधान ने पत्रकारों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार दिया है किन्तु आज स्वनियमन की आवश्यकता है तब ही हम सामाजिक परिवर्तन की ओर आगे बढ़ सकेंगे। धर्म हमें जीने का मार्ग बतलाता है। किन्तु अध्यात्म उस मार्ग पर चलना सिखलाता है।

समाज में जागरुकता फैलाना मीडिया की महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी : ई.वी. मुरली

अंग्रेजी दैनिक हितवाद के सम्पादक ई.वी. मुरली ने कहा कि समाज में जागरुकता फैलाना मीडिया की महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी है। जब सब लोग अध्यात्म से जुड़ेंगे तब ही सामाजिक परिवर्तन के कार्य में तेज़ी आएगी। आई.बी.सी. 24 न्यूज़ चैनल के सम्पादक रविकांत मित्तल ने भी अपने विचार रखे।

मीडिया दर्शकों को ऐसा कुछ न परोसे जिनसे समाज में विकृति आए : ब्र.कु. हेमलता दीदी

ब्रह्माकुमारीज़ की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. हेमलता दीदी ने कहा कि मीडिया द्वारा एकता, सद्भावना और सदाचार को सारे विश्व में फैलाया जा सकता है। मीडिया दर्शकों को ऐसा कुछ न परोसे जिनसे समाज में विकृति आए।

खबरपालिका पर लोगों का सबसे ज़्यादा भरोसा : मधुकर द्विवेदी

वरिष्ठ पत्रकार मधुकर द्विवेदी ने कहा कि ओमप्रकाश भाईजी मूल्यनिष्ठ मीडिया के जनक थे। उनका सदैव यह प्रयास रहा कि मीडिया मूल्यनिष्ठ बने। जब लोगों को कहीं न्याय नहीं मिलता है तब वह मीडिया के पास आता है। इससे साबित होता है कि आजकल लोगों का खबरपालिका पर सबसे ज़्यादा भरोसा है। रायपुर सेवाकेंद्र की संचालिका ब्र.कु. सविता दीदी ने कहा कि मीडिया में हम जैसा देखते, सुनते और पढ़ते हैं वैसा ही हम सोचने लगते हैं। मीडिया हमारी सोच को बदलने की ताकत रखता है।

सत्यता, विनम्रता, सेवा भाव जैसे गुणों द्वारा सम्बंध और व्यवसाय दोनों होंगे अच्छे

प्रभु वरदान भवन के 13वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में 'घर बने मंदिर' कार्यक्रम

भीनमाल-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ प्रभु वरदान भवन के 13वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष कार्यक्रम 'घर बने मंदिर' में परम पूज्य मुनिराज हितेश चंद्र विजय जी महाराज साहब ने कहा कि प्रत्येक घर के सदस्य को अपने अहंकार का त्याग कर स्वयं का परिवर्तन करना चाहिए। जितना स्वयं में सत्यता, विनम्रता, सेवा भाव जैसे गुण व्यवहार में आएंगे उतना हमारे सम्बंध और व्यवसाय दोनों अच्छे होंगे। सतत् अभ्यास और सत्संग से ही अहंकार दूर हो सकता है। जो झुकना जानता है वह स्नेही और जो झुकाना चाहता है वह अहंकारी है इसलिए पहले खुद झुकें तो अन्य को झुका सकते हैं। ब्रह्माकुमारीज़ के स्थानीय सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. गीता बहन ने बदलते परिवेश में परिवार और समाज में आए हुए बदलाव का विस्तृत वर्णन करते हुए विशेष महिलाओं से आग्रह किया कि वह घर के वातावरण में सात्विक अन्न, सादगी, मधुरता का प्रयोग करें। आपने हर महिला से देवी स्वरूप में विचरण करने का आग्रह किया। इस अवसर पर डॉ. श्रवण मोदी ने परिवारों में तनाव और नशे की प्रवृत्ति को कम करने की बात कही। उन्होंने कहा कि आज वातावरण बहुत नकारात्मक है, ऐसे में कम से कम घर का वातावरण सभी को बहुत अच्छा बना कर रखना चाहिए। संस्थान के द्वारा इस प्रकार के कार्यक्रम के आयोजन के लिए उन्होंने हृदय से प्रशंसा की।

इस मौके पर... सास-बहू के सम्बंध को मज़बूत करने हेतु बहु का गृह लक्ष्मी के रूप में श्रृंगार व पूजन कर मेल-मिलाप का कार्यक्रम भी रखा गया जिसमें सभी महिलाओं ने खुशी से भाग लिया और अपना अनुभव भी सुनाया कि हमें यह महसूस हुआ कि हमें घर में और अधिक प्रेम से रहना चाहिए और एक-दूसरे का ख्याल रखना चाहिए।

ब्रह्माकुमारीज़ के रानीवाड़ा सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. सुनीता बहन ने शब्दों द्वारा सभी का स्वागत किया। संचालन मंडार सेवाकेन्द्र की संचालिका शैली बहन ने किया। इस अवसर पर दिव्यचन्द्र विजय म.सा., वैराग्य विजय म.सा, चन्दनबाला मोदी, शारदा देवी अग्रवाल, नरेन्द्र आचार्य, देवेंद्र भण्डारी, ओमप्रकाश खेतावत, नैनाराम चौहान, गुमान सिंह राव, राजू जैन, संदीप देवासी सहित अन्य भाई-बहनें भी मौजूद रहे।

विश्व शान्ति के लिए अद्भुत भूमिका निभा रहा यह संस्थान : स्वामी धर्मदेव

ओआरसी-गुरुग्राम। भारत ने विश्व को जीवन जीना सिखाया, आध्यात्मिकता का मूलमंत्र दिया। उक्त विचार पटौदी,हरी मंदिर के महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव महाराज ने ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में आयोजित त्रिदिवसीय अखिल भारतीय श्रीमद् भगवद्गीता महासम्मेलन के उद्घाटन सत्र में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था मानव को देवता बनाने का श्रेष्ठ कार्य कर रही है और विश्व शान्ति के लिए अद्भुत भूमिका निभा रही है।

महामंडलेश्वर दिनेशानंद भारती,हरिद्वार ने कहा कि ईश्वर कभी भी गर्भ से जन्म नहीं लेते। गीता का ज्ञान हमें विराट संसार से सूक्ष्म ईश्वर की तरफ ले जाने वाला है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था गीता ज्ञान के रहस्य को सम्पूर्ण विश्व में फैला रही है। इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी अभिषेक चैतन्य, स्वामी गणेशानन्द महाराज, स्वामी त्रिदंडी चिन्ना जीयर, रामाकृष्ण मिशन के स्वामी सर्वलोकानंद, उत्कल विश्व विद्यालय की पूर्व कुलपति मधुमिता दास, सोनीपत से आईं ब्र.कु. लक्ष्मी बहन एवं जबलपुर से आईं डॉ. पुष्पा पाण्डेय ने भी अपने विचार रखे।

अखिल भारतीय भगवद्गीता महासम्मेलन का हुआ शुभारम्भ

ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में हुआ भव्य आयोजन

बड़ी संख्या में साधु, सन्त और महात्माएं हुए सम्मिलित

कर्म में अकर्ता भाव प्रकट करना ही सबसे बड़ी बुद्धिमानी

महामंडलेश्वर स्वामी दुर्गेशानंद जी,गुरुग्राम ने कहा कि मनुष्य जीवन सर्वश्रेष्ठ है। अकर्ता भाव का अनुभव करना ही सबसे बड़ी बुद्धिमानी है। कई बार जो जैसा दिखाई देता है, वैसा होता नहीं। इसी प्रकार दिखाई देने वाला संसार भी वैसा नहीं है। अज्ञान की स्थिति में हमें चीज़ें वैसी ही दिखाई देती हैं। आत्म ज्ञान के द्वारा ही सतयुग का उदय होता है।

धार्मिक और सांस्कृतिक भिन्नता के बावजूद भी भारत एक

युगांडा में भारत के उच्चायुक्त उपेंद्र सिंह रावत ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ समूचे विश्व में शांति और सौहार्द का संदेश दे रही है। उन्होंने कहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक भिन्नता के बाद भी भारत एक है। वास्तव में गीता सबको जोड़ती है। क्योंकि गीता एक सार्वभौमिक संदेश देती है। गीता एक आध्यात्मिक ग्रंथ है।

पवित्रता के आधार से ही की जा सकती है नूतन विश्व की संकल्पना

माउंट आबू से आईं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. उषा दीदी ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता ही ऐसा शास्त्र है, जिसमें भगवानुवाच लिखा है। गीता में परमात्म अवतरण की जो विधि बताई है, वो वास्तव में अलौकिक और विचित्र है। पवित्रता के आधार से ही नए विश्व की संकल्पना की जा सकती है। परमात्मा ही आत्मा को पवित्र बनने की शक्ति देते हैं।

कार्यक्रम के प्रति विशेष रूप से महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने शुभ कामना संदेश भेजा, जिसे राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने पढ़कर सुनाया।

गीता के ज्ञान से ही होगी सतयुग की पुनर्स्थापना

ब्रह्माकुमारीज़ के अति. महासचिव राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन भाई ने कहा कि गीता शास्त्र वास्तव में भगवान द्वारा सुनाए गए ज्ञान का यादगार है। बहुत समय के बाद लिखे जाने के कारण गीता ज्ञान का भाव परिवर्तित हो गया। उन्होंने कहा कि गीता का ज्ञान निराकार परमात्मा शिव ने कलयुग के अंत में दिया। क्योंकि गीता ज्ञान से ही सतयुग की स्थापना हुई।

ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने कहा कि हरेक को जीवन में सुख-शांति और पवित्रता चाहिए। जोकि परमात्म श्रीमत के सिवाए मिल नहीं सकती। गीता हमें यही संदेश देती है कि आत्मा स्वयं ही अपना मित्र और अपना शत्रु है। आत्म ज्ञान के द्वारा ही हम स्वधर्म में टिक सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. वीणा बहन ने किया।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 3rd Jan, 2024
स्वामी - आर.ई.आर.एफ, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org